प्राथमिक अंग्रेज़ी

# कथावाचन

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

# संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

| समीक्षा एवं दिशाबोध |
|---|
| डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् |
| डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |

| स्थानीयकरण |
|---|
| **भाषा और शिक्षा** |
| डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली |
| श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान |
| श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना |
| श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा |
| **प्राथमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा |
| श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग |
| श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा |
| श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना |
| **माध्यमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर |
| डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना |
| **प्राथमिक गणित** |
| श्री कृष्ण कान्त ठाकुर |
| श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा |
| श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण |
| **माध्यमिक गणित** |
| डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट |
| श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर |
| श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली |
| **प्राथमिक विज्ञान** |
| श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर |
| श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर |
| श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा |
| **माध्यमिक विज्ञान** |
| श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद |
| श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली |

*TESS-India (Teacher Education Through School Based Support)* का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे ।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं।* ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं।* ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* । मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

*TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।*

***वीडियो संसाधन***

*इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है:* *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

*TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।*

*TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।*

*संस्करण 2.0 EE05v2*

*Bihar*

*तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/*

*TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government*

## यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई का मकसद कथावाचन के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करने के आपके कौशल को विकसित करना है।

कथावाचन एक शक्तिशाली शिक्षण विधि हो सकती है क्योंकि एक शिक्षक के रूप में आप अपने छात्र–छात्राओं के साथ सीधा संवाद करते हैं। कथाओं और कथावाचन के लिए केवल एक ही संसाधन की आवश्यकता होती है – आप।

कथावाचन के द्वारा आप खुले सवाल कर सकते हैं, जैसे 'आपके अनुसार आगे क्या हुआ होगा?' और 'आपको क्यों लगता है कि वह ऐसा करता है?', जिनसे छात्र–छात्राओं को सोचने, याद करने, प्रतिबिंबित करने, कल्पना करने और प्रतिक्रिया देने का प्रोत्साहन मिलता है। ये सभी उनके भाषा–संबंधी कौशल का विकास करते हैं। अनुभवी शिक्षक यह जानते हैं कि छात्र–छात्रा जब भाषा को किसी कहानी में सुनते हैं, तो उन्हें यह बहुत अच्छी तरह याद रहती है और वे इसका उपयोग करने की कोशिश भी करते हैं।

कक्षा में नियमित रूप से कहानियाँ कहना और पढ़कर सुनाना एक अच्छा अभ्यास है क्योंकि इससे सीखने का अवसर भी मिलता है और यह मज़ेदार अनुभव भी होता है। हम भाग्यशाली हैं कि भारत में लोककथाओं और परंपराओं के माध्यम से हमारे पास बहुत सारी कहानियाँ उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग शिक्षक भाषा के शिक्षण को आगे बढाने के लिए कर सकते हैं। जब आप कक्षा में कहानियाँ सुनाते हैं, तो यह स्वाभाविक होंगी और इसमें अंग्रेज़ी और स्थानीय भाषाओं का मिश्रण अपेक्षित है, खासतौर पर विद्यालय के शुरूआती वर्षों में।

## आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- कथावाचन के लिए द्विभाषी पद्धतियों का उपयोग करना।
- अपने छात्र–छात्राओं के उपयोगार्थ अंग्रेज़ी कहानियों का चयन करना।
- अंग्रेज़ी में कथावाचन का अभ्यास करना।

## 1 नए शब्द सीखना

अपने लिए एक गतिविधि में दो भाषाओं में कहानी पढ़ने के साथ शुरुआत करें।

### गतिविधि 1: नए शब्द सीखना

नीचे दी गई लघु कथा पढ़ें।

एक व्यक्ति था, जो कि बहुत परेशान दिखाई दे रहा था। यह आदमी **आंद्रास** अपने घर के पीछे बने **किपो** ('किपो' एक उद्यान होता है) में कुछ ढूँढने गया। यह **आंद्रास** अपने हाथों और घुटनों के बल बैठ गया और **ट्राइयांडाफिला**, गुलाब, के नीचे खुदाई करने लगा।

अब **आंद्रा** की पत्नी, उसकी **यिनेका**, घर में ऊपर थी। उसकी **यिनेका** ने बेडरूम की **पैराथिरो** से बाहर देखा और पाया कि उसका **आंद्रा ट्राइयांडाफिला** के नीचे कुछ ढूँढ रहा है।

उसने पूछा कि वह क्या कर रहा है। 'मैं घर की चाबियाँ ढूँढ रहा हूँ', उसके **आंद्रास** ने ऊँची आवाज़ में बताया।

'क्या तुम्हारे घर की **क्लिडिया** यहाँ **किपो** में, **ट्राइयांडाफिला** के नीचे खो गई थीं?'

'नहीं,' उसके **आंद्रास** ने कहा। 'मेरी **क्लिडिया** यहाँ **ट्राइयांडाफिला** के नीचे नहीं खोई थीं, लेकिन यहाँ रौशनी बहुत बेहतर है!

## ज़रा सोचिए

- इस उदाहरण में, ग्रीक शब्दों को अलग अलग तरीकों से समझाया गया है – वे अलग अलग तरीके कौन–से हैं?
- आपने उन शब्दों का अर्थ कैसे समझा, जो इस कहानी में स्पष्ट नहीं किए गए हैं: 'पैराथिरो' और 'क्लिडिया'?
- जब आप यह कहानी पढ़ रहे थे, तो आप ग्रीक भाषा के कुछ नए शब्द सीख रहे थे: 'आदमी', 'उद्यान', 'गुलाब' और 'पत्नी। आपको शायद ग्रीक शब्दों के अर्थ समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई, हालांकि आपने शायद पहले कभी भी इस भाषा का उपयोग नहीं किया होगा, लेकिन लगभग सभी शब्द संक्षेप में स्पष्ट कर दिए गए और तुरंत ही एक सरल और मनोरंजक कहानी में परिचित सन्दर्भ में उनका उपयोग किया गया।
- इसी तरह आप किसी भी भाषा की कहानी के माध्यम से अंग्रेज़ी शब्द और वाक्यांश प्रस्तुत करके छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी सिखा सकते हैं।

### गतिविधि 2: नए अंग्रेज़ी शब्द सीखना

एक बहुत छोटी कहानी या कविता लीजिए, जिसे आप और आपके छात्र–छात्रा हिंदी में अच्छी तरह जानते हैं। इस कहानी या कविता में प्रस्तुत किए जाने लायक कुछ अंग्रेज़ी शब्द चुनें।

यह तय करें कि आप इन अंग्रेज़ी शब्दों को कैसे प्रस्तुत करेंगे। क्या आप उनका अनुवाद करेंगे, या उन्हें किसी और तरीके से समझाएँगे?

अंग्रेज़ी शब्दों को पहचानने और सीखने में छात्र–छात्राओं की सहायता करने के लिए आप चित्रों का भी उपयोग कर सकते हैं (चित्र 1)।

| | |
|---|---|
| | चित्रों और उससे जुड़े शब्दों के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part I के Lesson 01 से Lesson 8 तक तथा Blossom part -II के Lesson-1 से 7 तक का उपयोग करें। |

**चित्र 1: अंग्रेज़ी शब्दों की पहचान में छात्र–छात्राओं की सहायता करने के लिए चित्रों का उपयोग।**

किसी सहयोगी के साथ अपनी द्विभाषी कहानी या कविता का अभ्यास करें। उनके प्रतिपुष्टि (फीडबैक) पर ध्यान दें और कहानी में अंग्रेज़ी शब्दों के सुधार के लिए इसमें परिवर्तन करें।

इसके बाद अपनी कक्षा में इसे करके देखें। क्या वे इन अंग्रेज़ी शब्दों को समझते हैं? क्या उन्हें कहानी में मज़ा आता है?

| | |
|---|---|
| | द्विभाषी कहानी और कविता के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित 'फलक' Class-I एवं Class-II की किताबों का उपयोग करें। |

## 2 सरल कहानियों का उपयोग करना

कम संख्या में अंग्रेज़ी शब्दों को प्रस्तुत करने से आपके छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी के उपयोग में आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। आगे आने वाली केस स्टडी में, शिक्षिका अपनी कक्षा को एक पूरी कहानी अंग्रेज़ी में सुनाती है। जब आप पढ़ते हैं, तो इस विधि के लाभों और संभावित जोखिमों के बारे में सोचें।

### केस स्टडी 1: अमीना एक परिचित कहानी अंग्रेज़ी में सुनाती हैं

*अमीना बिहार के एक ग्रामीण विद्यालय में छात्र शिक्षिका है, जहाँ कोई अंग्रेज़ी साइनबोर्ड या समुदाय में अखबार नहीं हैं, और कोई अंग्रेज़ी नहीं बोलता।*

मैंने भाषा की पाठ्यपुस्तक Blossom part-2 से 'The Thirsty Crow' की कहानी ली। मुझे और मेरे छात्र–छात्राओं को यह कहानी बहुत अच्छी तरह मालूम थी। मैंने अंग्रेज़ी में इस कहानी का बहुत सरल संस्करण लिखा। मैंने घर में अपने पति को कहानी का यह सरल संस्करण सुनाकर इसका अभ्यास किया। मैंने तब तक इसका अभ्यास किया, जब तक कि मुझे अपने छात्र–छात्राओं को यह अंग्रेज़ी संस्करण सुनाने लायक आत्मविश्वास महसूस नहीं हो गया। मैंने अपने कथावाचन के साथ उपयोग करने के लिए कुछ हावभावों का भी अभ्यास किया।

मैंने कक्षा एक के छात्र–छात्राओं को यह कहानी हावभावों और इशारों तथा अपनी आवाज़ में इस तरह सुनाई, ताकि यथासंभव मैं अपनी बात का मतलब समझा सकूँ। वे इस कहानी को पहले से जानते थे, लेकिन वे इसे सिर्फ हिन्दी में

जानते थे।

मेरी कहानी के दौरान छात्र–छात्रा बिना कुछ बोले या कोई भावनाएं दिखाए बिना बैठे रहे। मुझे विश्वास है कि वे कुछ भी समझ नहीं सके। अंत में मैंने छात्र–छात्राओं से हिन्दी में पूछाः 'मैंने आपको कौन–सी कहानी सुनाई?' मुझे आश्चर्य हुआ कि छात्र इस कहानी को अच्छी तरह पहचान गए थे, और फिर वे इसे अपने शब्दों में हिन्दी में सुनाने लगे!

मुझे अहसास हुआ कि छात्र–छात्रा बोले गए सभी अंग्रेज़ी शब्दों को नहीं समझ सके थे, लेकिन वे बहुत सारे अनुमान अच्छी तरह लगाने में सक्षम थे। चूँकि मैंने हावभावों का उपयोग किया था, इसलिए वे जानते थे कि मैं कहानी सुना रही हूँ और उन्होंने अनुमान लगाया कि यह कहानी उनकी परिचित थी। मैंने बोर्ड पर कहानी के मुख्य अंग्रेज़ी शब्द लिखेः 'crow', 'drink', 'water', 'pebbles', 'pitcher' और 'thirsty'। मैंने ये शब्द पढ़े और छात्र–छात्राओं ने इन्हें मेरे पीछे दोहराया। मैंने उन्हें crow, pitcher आदि के चित्र बनाने और उनके नाम लिखने को कहा।

अब मैं अंग्रेज़ी में कोई कहानी सुनाने से पहले, मुख्य शब्दों को बोलकर बोर्ड पर लिखती हूँ। कभी–कभी मैं कहानी के लि चित्र भी तैयार करती हूँ (चित्र 2)।

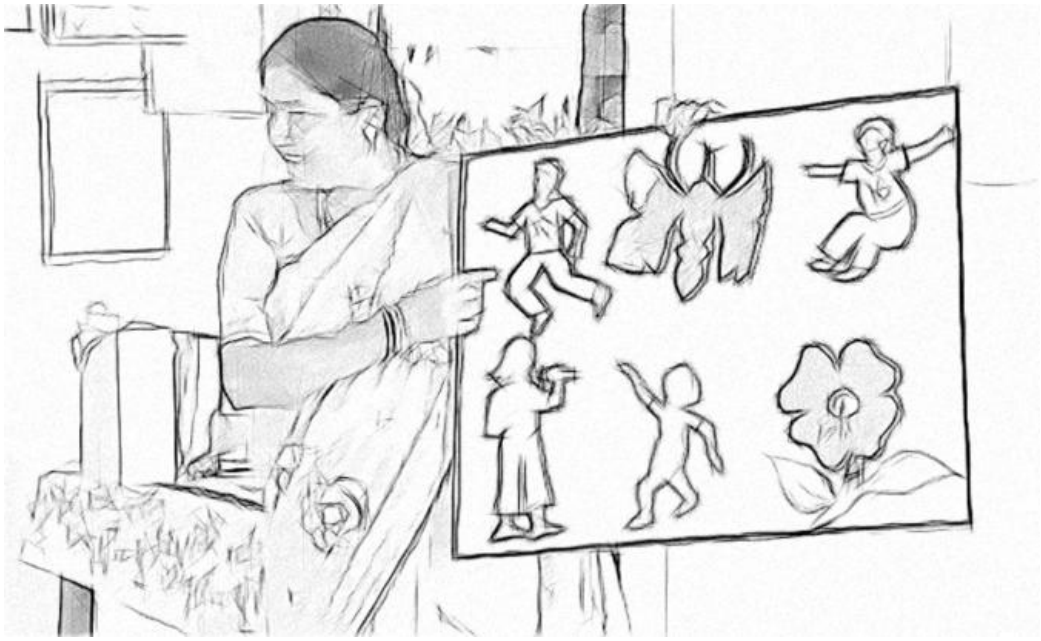

**चित्र 2:** एक कहानी सुनाने के लिए चित्रों का उपयोग करना।

मुझे अहसास है कि इस विधि की व्यवस्थित रूप से तैयारी करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन मुझे पता चला है कि यह उपयोगी है। सिर्फ छात्र–छात्राओं का ही नहीं, बल्कि अंग्रेज़ी के बारे में मेरा अपना आत्मविश्वास भी धीरे–धीरे बढ़ रहा है। साथ ही, कथावाचन से मुझे कक्षा का प्रबंधन करने में भी मदद मिली है।

### ज़रा सोचिए

- अमीना को अहसास हुआ कि जितना वह समझती थी, उसके छात्र–छात्राओं को उससे ज्यादा अंग्रेज़ी आती है। क्या आपको लगता है कि आपके छात्र–छात्राओं के मामले में भी यह बात सही है? आप इसका पता कैसे लगाएँगे?

## गतिविधि 3: किसी कहानी का अभ्यास करना

लघु कथा को अंग्रेज़ी में पढ़ें। इसे एक से ज्यादा बार पढ़ें। आप जिन शब्दों के बारे में नहीं जानते, उन्हें अंडरलाइन करें या उन पर गोला लगाएँ, और फिर उन्हें शब्दकोष में ढूँढें। इसे अकेले में या परिवार के किसी सदस्य के सामने ऊँची आवाज़ में पढ़ें।

**'The Moon and His Two Wives'**

Did you know that the Moon has two wives?

One is an excellent cook. When the Moon visits her, she makes him many, many delicious plates of food. She cooks and he eats. She cooks and he eats. She cooks and he eats. And he gets fatter and fatter until he is entirely round and he can't eat any more.

When he can't eat any more, he goes off to see his other wife. She is an excellent storyteller. And when he visits her she tells him many, many exciting stories. Day and night, night and day, he sits and listens. And he is so busy listening that he forgets to eat. So he gets thinner and thinner until he is just a tiny crescent.

Then he gets hungry, and so he goes to see his cook-wife again.

जब आप कहानी को कई बार पढ़ लेते हैं, तो अगली बार इसे बिना पढ़े, ऊँची आवाज़ में बोलने की कोशिश करें। क्या आप कुछ शब्दों के लिए कोई हावभाव जोड़ सकते हैं? इस कहानी को पढ़े बिना, विद्यालय में या घर पर किसी और को यह कहानी सुनाने की कोशिश करें।

**ज़रा सोचिए**

- यह कहानी भाषा के बारे में और प्राकृतिक शब्द के बारे में क्या बताती है?

इस बहुत छोटी–सी कहानी ने कुछ रोचक शब्दावली, जैसे 'excellent', 'delicious' और 'exciting' प्रस्तुत की। इसने अंतरिक्ष विज्ञान का एक शब्द भी प्रस्तुत कियाः क्रेसन्ट (crescent)। इसमें दो विरुद्धार्थी शब्द भी आएः मोटा और पतला (fat and thin)। इस कहानी में दोहरावपूर्ण वाक्यांश हैं, जैसे 'day and night, night and day', 'fatter and fatter', and 'thinner and thinner'। आप इन विचारों का उपयोग भाषा को जानने के लिए प्रारंभिक बिंदुओं के रूप में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अन्य विरोधी शब्दों जैसे 'bigger' और 'smaller' के बारे में सोच सकते हैं। आप समान अर्थ वाले शब्दों के बारे में सोच सकते हैं, जैसे 'excellent', 'outstanding' या 'first-rate'।

पारंपरिक कहानियों में अक्सर स्त्री–पुरुषों के बारे में रूढ़िवादिता होती है, जैसे 'The Moon and His Two Wives' में पति और पत्नी की भूमिका। आप अपने छात्र–छात्राओं से इस बारे में कैसे बात करेंगे? इस कहानी को कम रुढ़िवादी बनाने के तरीकों के बारे में सोचें। उदाहरण के लिए, ऐसा भी कहा जा सकता है कि चाँद ने अपनी पत्नी के लिए भोजन बनाया और खुद का ही बनाया हुआ भोजन इतना अधिक खा लिया कि वह मोटा हो गया। या चाँद की दो पत्नियों के बजाय उसके दो दोस्त थे।

बेशक इस बात का एक वैज्ञानिक कारण है कि चाँद का आकार क्यों बदलता है। क्या आपको लगता है कि कहानी 'The Moon and His Two Wives' के कारण छात्र–छात्राओं के मन में कुछ गलत धारणाएँ विकसित हो सकती हैं? क्या आप यह कहानी सुनाने के साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान की अवधारणाओं के बारे में भी बताएँगे? आप छात्र–छात्राओं से इस बारे में बात कर सकते हैं कि दुनिया के बारे में समझाने के वैज्ञानिक तरीके और हमारे आस–पास की दुनिया के बारे में समझाने के पारंपरिक तरीके में अंतर होता है। आप इस अवसर का उपयोग करके छात्र–छात्राओं से यह भी पूछ सकते हैं कि क्या उनके समुदाय में इस कहानी के अलग अलग संस्करण हैं, या आप उनसे उनके समुदाय की ऐसी

कहानियाँ सुनाने को कह सकते हैं, जिनमें वास्तविक विश्व को समझाने की कोशिश की गई हो। कहानी सुनाते समय उन्हें अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऐसी अन्य पारंपरिक कहानियों के बारे में सोचें, जो आपको मालूम हैं। क्या उनमें रोचक शब्द और भाषा के पैटर्न हैं? क्या वे समस्याओं को रुढ़िवादी और वैज्ञानिक गलतफहमियों में प्रस्तुत करते हैं?

छोटी और सुन्दर कहानियों के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part –1 से 5 तथा Radiance part-1 से 3 तक की पुस्तकों का उपयोग करें।

## 3 कक्षा में कथावाचन

अब इस गतिविधि का प्रयास करें।

### गतिविधि 4: सरल अंग्रेज़ी में एक कहानी सुनाएँ

एक बहुत छोटी–सी ऐसी कहानी चुनें, जिसे आपके छात्र–छात्रा पहले से जानते हैं। यह कोई ऐसी कहानी हो सकती है, जो सबको मालूम है, जीवन से या पाठ्यपुस्तक से। यदि कहानी में कोई शब्द या वाक्यांश बार–बार दोहराए जाते हैं, तो इससे मदद मिलती है क्योंकि इससे आपको और छात्र–छात्राओं को अभ्यास करने का ज्यादा मौका मिलता है।

इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेज़ी संस्करण तैयार करें। छात्र–छात्राओं को कहानी सुनाने से पहले, अपने घर में इसका अभ्यास करें या किसी साथी शिक्षक के साथ अभ्यास करें।

आप कहानी की मुख्य शब्दावली के लिए शब्द कार्डों का उपयोग कर सकते हैं या इन शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं।

अब संसाधन 1 में सीखने की योजना पढ़ें। इसे अपनी कक्षा की आवश्यकता, छात्र–छात्राओं की ज़रुरत और आपके स्वयं के प्रोफेशनल विकास के अनुसार अनुकूलित करें।

छात्र–छात्राओं को धीरे–धीरे यह कहानी सुनाएँ। बोलते समय कहानी की नकल करने के लिए चित्रों या हावभावों का उपयोग करें। छात्र–छात्राओं को शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने दें।

कहानी बताने के बाद, छात्र–छात्राओं से कहें कि वे कहानी सुनाने का अभ्यास करें। यदि आपकी कक्षा में कोई ऐसे छात्र हैं, जिन्हें सुनने में कोई समस्या होती है, तो अन्य छात्र–छात्राओं को उन्हें कहानी इशारों से बताने दें।

सत्र को मज़ेदार बनाएँ। आपको कथावाचन के साथ कोई भाषा अभ्यास या लेखन अभ्यास जोड़ने की आवश्यकता नहीं है।

कथावाचन सत्र के बाद, प्रत्येक छात्र के लिए निम्नलिखित मापदंडों का उपयोग करके संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

- ध्यान से सुनता है
- सहभागिता दर्शाता है (टिप्पणियाँ करना, प्रश्न पूछना)
- कहानी में कुछ अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करने में सक्षम है।
- कहानी को आंशिक रूप से अंग्रेज़ी में सुनाने में सक्षम है
- कहानी अंग्रेज़ी में सुनाने में सक्षम है।

आप पूरे वर्ष भर छात्र–छात्राओं के छोटे समूहों के साथ ऐसा कर सकते हैं।

## गतिविधि 5: कक्षा में कथावाचन के लिए तैयारी करना

**चित्र 3: एक शिक्षिका कक्षा में पढ़े बिना कहानी सुनाती हैं।**

कक्षा को एक साथ इकट्ठा करने या छात्र–छात्राओं को कहानी सुनने के लिए तैयार करने के लिए, आप कहानी का समय बताने वाली घंटी बजा सकते हैं या कहानी का समय बताने के लिए ड्रम बजा सकते है। आप एक तुकबंदी सुना सकते हैं या 'If You're Happy and You Know It' का एक संस्करण गा सकते हैं:

If you want to hear a story, clap your hands!
If you want to hear a story, clap your hands!
If you want to hear a story, if you want to hear a story,
If you want to hear a story, clap your hands!

अपनी कक्षा में कथावाचन के लिए इन अंग्रेज़ी वाक्यांशों का अभ्यास और उपयोग करें:

- 'It's story time!'
- 'Sit down, everyone.'
- 'Are you ready?'
- 'Is everyone ready to listen?'
- 'Are you ready to listen?'
- 'Listen to me.'
- 'Who is listening?'
- 'Repeat after me ...'
- 'Say it with me ...'
- 'Let's say together ...'/'Say it with me ...'
- 'Now you say it.'
- 'You are good listeners!'
- 'You are good storytellers!'

यदि आप ऐसी दिनचर्या निर्धारित करते हैं, तो कथावाचन के लिए ज्यादा छात्र–छात्राओं वाली कक्षा और/या एक से अधिक ग्रेड वाली कक्षा का प्रबंधन सरल हो जाता है और छात्र आपके साथ जुड़कर अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकते हैं।

अपनी कक्षा में कहानियों की संभावना को बढ़ाने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 2, 'कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक' देखें।

**वीडियोः कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक**

## सारांश

इस इकाई में आपकी कक्षा के छात्र–छात्राओं को कथावाचन के माध्यम से अंग्रेज़ी सिखाने और उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। कहानियों के द्वारा, हम एक परिचित सन्दर्भ में नई भाषा का उपयोग शुरू कर सकते हैं।

कक्षा में, कथावाचन और ऊँची आवाज़ में बोलकर कहानियाँ पढ़ना भाषा सिखाने के मुख्य तत्व हैं। कहानियाँ बनाना, याद करना और दोहराना शिक्षकों और साथ ही छात्र–छात्राओं के लिए भी सीखने की एक प्रक्रिया है। एक रोचक और जीवंत तरीके से कहानी सुनाने की क्षमता शिक्षक के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। बेशक एक अच्छी कहानी मनोरंजक होती है, लेकिन साथ ही यह महत्वपूर्ण अवधारणाएं, दृष्टिकोण और भाषा कौशल सीखने की ओर छात्र–छात्राओं का ध्यान भी आकर्षित करती है। कहानियां सुनना और सुनाना एक आनंददायक गतिविधि है, जो छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को एक साझा अनुभव के लिए साथ लाती है।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *साझा पठन*
- *पाठ की योजना बनाना*
- *पठन कौशल का विकास एवं अनुश्रवण*
- *पढ़ने के माहौल को बढ़ावा देना*

## संसाधन

**संसाधन 1: कथावाचन के लिए पाठ योजना**

**अपनी कक्षा के लिए इस योजना को अनुकूलित करें।**

यहाँ कुछ मुद्दे हैं, जिन पर आपको कहानी चुनते समय और इसे सुनाने की योजना बनाते समय विचार करना चाहिए।

कोई ऐसी कहानी चुनें, जिसे आप और आपके छात्र हिन्दी में या स्थानीय भाषा में अच्छी तरह जानते हैं। यह किसी पुस्तक से भी हो सकती है, लेकिन आपको पुस्तक के बिना यह कहानी बोलकर सुनानी होगी। यह कहानी आपकी पाठ्यपुस्तक के किसी विषय से जुड़ी हो सकती है या यह किसी स्थानीय त्यौहार अथवा सामुदायिक आयोजन से जुड़ी हो सकती है। यह कहानी एक सामान्य तरीके से छात्र–छात्राओं के अनुभवों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, या यह विज्ञान, इतिहास या भूगोल जैसे किसी विशिष्ट विषय में उनका ज्ञान विकसित करने वाली हो सकती है। संभव है कि इस कहानी में कोई ऐसा नैतिक संदेश हो, जिसे सीखना आपको छात्र–छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण लगता हो। संभव है कि आप कोई पारंपरिक कथा चुनेंगे। यह कहानी आपकी कक्षा के लिए उपयुक्त क्यों है?

- कहानी की लंबाई पर विचार करें। क्या इसे थोड़े–से समय में सुनाया जा सकता है?
- कहानी की जटिलता पर विचार करें। इसमें उपयोग किए गए शब्द और वाक्यांश परिचित हैं या अपरिचित?

- कहानी में कहाँ आप रुककर छात्र–छात्राओं को अपने साथ शामिल होने या अपने पीछे दोहराने को कह सकते हैं?
- इस बात पर विचार करें कि क्या कहानी हाशिए पर मौजूद समूहों के दृष्टिकोण से समावेशक है। क्या इस कहानी के कारण कोई छात्र खुद को उपेक्षित या शर्मिंदा महसूस करेगा?
- इस बारे में सोचें कि आपके पास कौन–से साधन या चित्र हैं या बनाने की आवश्यकता है, ताकि कहानी को छात्र–छात्राओं के लिए अधिक जीवंत बनाने में मदद मिल सके। उदाहरण के लिए, क्या आपको किसी हैट, झाड़ू या लैंप के चित्रों की ज़रुरत पड़ेगी या आप वास्तविक वस्तुओं का उपयोग करेंगे?

## तैयारी

- कोई ऐसी कहानी चुनें, जो आपको अच्छी तरह मालूम है।
- इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेज़ी संस्करण तैयार करें।
- कहानी सुनाने का अभ्यास करें, ताकि आप इसमें आत्मविश्वास महसूस करें।
- मुख्य शब्द और वाक्यांश चुनें। ऐसे शब्द और वाक्यांश चुनें, जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण हैं और कहानी में बार–बार आते हैं, ताकि छात्र–छात्राओं को उन्हें सुनने और उनका अभ्यास करने के अवसर एक से ज्यादा बार मिलें। इन शब्दों को यादगार और सरल बनाएं, ताकि छात्र–छात्राओं को उन्हें सीखने में मज़ा आए।
- अंग्रेज़ी के मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को शब्द कार्डों पर लिखें।
- शब्द कार्डों से मेल खाने वाले चित्र बनाएँ (ये चित्र स्वयं बनाएँ या किसी पत्रिका से काट लें)। अथवा हैट, झाड़ू या गमले जैसी वस्तुओं का उपयोग करें।
- इन शब्द कार्डों और चित्रों या वस्तुओं का उपयोग करके कहानी सुनाने का अभ्यास करें।
- कहानी में ऐसे पल ढूँढें, जहाँ आप रुककर छात्र–छात्राओं से अपने पीछे दोहराने को कह सकते हैं या आपके साथ मिलकर वे वाक्यांश दोहरा सकते हैं।
- यह तय करें कि आप किस तरह छात्र–छात्राओं को कहानी सुनने के लिए तैयार करेंगे (लय, गीत, ड्रम, घंटी या अन्य विधि)।

## पाठ में

- छात्र–छात्राओं को कहानी के लिए तैयार करें, ताकि वे सभी इसे सुनें (कोई घंटी बजाएँ, ड्रम बजाएँ, ताली बजाएँ)।
- उन्हें बताएँ कि वे यह कहानी अंग्रेज़ी में सुनेंगे और आपके साथ अंग्रेज़ी का अभ्यास करेंगे।
- कहानी सुनाएँ। धीरे–धीरे बोलें। हावभावों और चेहरे की भावनाओं का उपयोग करें। शब्द कार्ड, चित्र या वस्तुएँ दिखाएँ। छात्र–छात्राओं को इसे दोहराने और इसमें जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंग्रेज़ी में दोहरावपूर्ण शब्दों या वाक्यांशों का मिलान चित्रों या वस्तुओं के साथ करके इनका अभ्यास करें।

## कहानी के बाद

- अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों को दीवार पर रखें, ताकि छात्र उन्हें पढ़ना और अभ्यास करना जारी रख सकें।
- छात्र–छात्राओं को वह कहानी अंग्रेज़ी में फिर से सुनाने के लिए प्रेरित करें।
- जब आप फिर से यह कहानी सुनाते हैं, तो छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछें, जैसे 'अब इसके बाद क्या हुआ था?', 'यह घटना कहाँ हुई थी?' या 'वह किसने किया था?' इसे छात्र–छात्राओं की समझ का मूल्यांकन करने के अवसर के रूप में उपयोग करें।

## संसाधन 2: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक

छात्र–छात्रा उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जबकि वे शिक्षण के अनुभव से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। दूसरों के साथ परस्पर संवाद और अपने विचारों को साझा करने से आपके छात्र–छात्रा अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। कथावाचन, गीत, रोल प्ले और नाटक कुछ ऐसी विधियाँ हैं, जिनका उपयोग पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिनमें गणित और विज्ञान भी शामिल हैं।

## कथावाचन

कहानियां हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाने में मदद करती हैं। कई पारंपरिक कहानियाँ पीढ़ी–दर–पीढ़ी चली आ रही हैं। वे हमें बचपन में सुनाई गई थीं और इनसे हमें उस समाज के कुछ नियमों और मूल्यों के बारे में पता चलता है, जिसमें हमारा जन्म हुआ है।

कहानियां कक्षा में बहुत शक्तिशाली माध्यम होती हैं। वेः

- रोचक, रोमांचक और प्रेरक हो सकती हैं
- हमें दैनिक जीवन से कल्पना–लोक में ले जा सकती हैं
- चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं
- नए विचारों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित कर सकती हैं
- भावनाओं को समझने में मदद करती हैं
- ऐसे सन्दर्भ में समस्याओं को समझने में मदद करती हैं, जो वास्तविकता से अलग होता है और इस कारण कम डरावना होता है।

जब आप कहानियाँ सुनाते हैं, तो छात्र–छात्राओं से आँखों का संपर्क अवश्य बनाएँ। यदि आप अलग–अलग पात्रों के लिए अलग–अलग आवाज़ों का उपयोग करेंगे और उदाहरण के लिए उपयुक्त मौकों पर फुसफुसाहट के साथ या ऊँची आवाज़ में बोलकर अपनी आवाज़ का स्तर और लहजा बदलेंगे, तो उन्हें इसमें मज़ा आएगा। कहानी की प्रमुख घटनाओं का अभ्यास कीजिए ताकि आप इसे पुस्तक के बिना स्वयं अपने शब्दों में मौखिक रूप से सुना सकें। आप कहानी को जीवंत बनाने के लिए कक्षा में वस्तुएं या कपड़े ला सकते हैं। जब आप किसी कहानी का परिचय देते हैं, तो इसका उद्देश्य अवश्य बताएँ और छात्र–छात्राओं को इस बारे में सचेत करें कि वे क्या सीख सकते हैं। आपको उन्हें मुख्य शब्दावली का परिचय भी देना पड़ सकता है या कहानी को रेखांकित करने वाली अवधारणाओं के बारे में भी बताना पड़ सकता है। आप विद्यालय में किसी पारंपरिक कथावाचक को भी ला सकते हैं, लेकिन यह अवश्य सुनिश्चित करें कि कथावाचक और छात्र–छात्राओं, दोनों को अच्छी तरह मालूम हो कि क्या सीखना है।

कथावाचन सुनने के अलावा भी छात्र–छात्राओं की बहुत सी गतिविधियों का संकेत दे सकता है। छात्र–छात्राओं से कहानी में उल्लेख किए गए सभी रंगों को नोट करने, चित्र बनाने, मुख्य घटनाओं को याद करने, संवाद तैयार करने या अंत बदलने को कहा जा सकता है। उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और चित्र या वस्तुएं देकर किसी अन्य नज़रिए से कहानी दोबारा सुनाने को कहा जा सकता है। किसी कहानी का विश्लेषण करके, छात्र–छात्राओं से कहा जा सकता है कि वे कल्पना और तथ्यों को पहचानें, घटनाओं की वैज्ञानिक व्याख्या पर विवाद करें या कोई गणितीय समस्याएँ हल करें।

छात्र–छात्राओं से अपनी स्वयं की कहानियां तैयार करने को कहना एक बहुत शक्तिशाली साधन है। यदि आप उन्हें कार्य को सीमित रखने के लिए संरचना, सामग्री और भाषा देते हैं, तो छात्र आपको अपनी खुद की कहानियाँ बता सकते हैं, यहाँ तक कि गणित और विज्ञान के बहुत कठिन विचारों के बारे में भी। वास्तव में, वे विचारों के साथ खेल रहे हैं, अर्थ समझ रहे हैं और अपनी कहानियों के माध्यम से संक्षेप में अवधारणाओं को जान रहे हैं।

## गीत

कक्षा में गीत और संगीत के उपयोग से अलग अलग छात्र–छात्राओं को योगदान करने, सफल होने और उन्नति करने का अवसर मिल सकता है। एक साथ मिलकर गाने से जुड़ाव बनता है और इससे सभी छात्र खुद को इसमें शामिल

महसूस करते हैं क्योंकि यहाँ ध्यान किसी एक व्यक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित नहीं होता। गीतों के सुर और लय के कारण उन्हें याद रखना सरल होता है और इससे भाषा व बोलने के कौशल के विकास में मदद मिलती है।

संभव है कि आप स्वयं आत्मविश्वासी गायक न हों, लेकिन निश्चित रूप से आपकी कक्षा में कुछ अच्छे गायक होंगे, जिन्हें आप अपनी मदद के लिए बुला सकते हैं। आप गीत को जीवंत बनाने और संदेश व्यक्त करने में सहायता के लिए गतिविधि और हावभाव का उपयोग कर सकते हैं। आप उन गीतों का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको मालूम हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार उनके शब्दों में बदलाव कर सकते हैं। गीत जानकारी को याद करने और याद रखने का भी एक उपयोगी तरीका हैं – यहाँ तक कि सूत्रों और सूचियों को भी एक गीत या कविता के रूप में रखा जा सकता है। आपके छात्र–छात्रा रिवीजन के उद्देश्य से गीत या भजन बनाने योग्य रचनात्मक भी हो सकते हैं।

## रोल प्ले

रोल प्ले वह होता है, जिसमें छात्र कोई भूमिका निभाते हैं और किसी छोटे परिदृश्य के दौरान, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं दी जाती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि छात्र–छात्राओं को शिक्षक द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले छात्र–छात्राओं को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

रोल प्ले के कई लाभ हैं क्योंकिः

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचारकरके अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।
- यह छात्र–छात्राओं को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभीछात्र–छात्राओं को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

रोल प्ले से छोटे छात्र–छात्राओं को अलग अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए, किसी स्टोर में खरीददारी करने, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'कैफे', 'अस्पताल' या 'गैरेज'। अपने छात्र–छात्राओं से पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का अवलोकन करें।

रोल प्ले करने से बड़े छात्र–छात्राओं के जीवन के कौशलों का विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। छात्र–छात्राओं को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने को कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने को कह सकते हैं। भूमिका अदा करने की प्रस्तुति पूरी कक्षा को दी जा सकती है या छात्र छोटे समूहों में भी कार्य कर सकते हैं, ताकि किसी एक समूह पर ध्यान केंद्रित न रहे। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य रोल प्ले का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है; आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

रोल प्ले करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भी करना संभव है। छात्र अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक–दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दर्शा सकते हैं। गणित में, छात्र कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

### नाटक

कक्षा में नाटक का उपयोग अधिकतर छात्र–छात्राओं को प्रेरित करने के लिए एक अच्छी रणनीति है। नाटक से कौशल और आत्मविश्वास विकसित होता है, और इसका उपयोग इस बात के मूल्यांकन के लिए भी किया जा सकता है कि आपके छात्र किसी विषय के बारे में क्या समझते हैं। संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुंह तक जाते हैं और वहां से फिर वापस आते हैं, यह दिखाने के लिए टेलीफोनों की भूमिका निभाकर मस्तिष्क के काम करने के तरीके के बारे में छात्र–छात्राओं की समझ को बताने वाला एक नाटक या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के भीषण परिणामों को बताने वाला एक संक्षिप्त, मज़ेदार नाटक छोटी उम्र के छात्र–छात्राओं के मन में सही विधियाँ जमा सकता है।

नाटक अक्सर शेष कक्षा, विद्यालय या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के सामने प्रदर्शन की ओर विकसित होता है। यह लक्ष्य छात्र–छात्राओं को इसकी पूर्ति के लिए काम करने का अवसर देगा और प्रेरित करेगा। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया में समूची कक्षा शामिल होनी चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के अंतरों को ध्यान में रखा जाये। हर कोई अभिनेता हो यह ज़रूरी नहीं है; छात्र उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व से अधिक निकटता से जुड़े अन्य तरीकों (पोशाक का इंतजाम करना, वस्तुएँ लाना, स्टेज पर मदद करना) से भी योगदान कर सकते हैं।

इस बात पर विचार करना महत्वपूर्ण है कि आप सीखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा के विकास के लिए है (उदाहरणः प्रश्न पूछना और उनके उत्तर देना), विषय के ज्ञान के लिए है (उदा. पर्यावरण पर खनन के प्रभाव), या विशिष्ट कौशल विकसित करने के लिए है (उदाहरणः टीम वर्क)? इस बात का ध्यान रखें कि प्रदर्शन के लक्ष्य में कहीं नाटक का सीखने का उद्देश्य खो न जाए।

## अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

## संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy.* Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read.* London: Routledge.

Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling.* Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy.* London: Routledge.

## अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।